



Amit

18 May 1993

02:37 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120936912

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 18/05/1993
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 14:37:08 घंटे
इष्ट _____: 22:50:21 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 14:16:00 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:36 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:00:15 घंटे
सूर्योदय _____: 05:28:59 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:06:29 घंटे
दिनमान _____: 13:37:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 03:40:02 वृष
लग्न के अंश _____: 06:17:19 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: मीन - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: रेवती - 4
नक्षत्र स्वामी _____: बुध
योग _____: आयुष्मान
करण _____: तैतिल
गण _____: देव
योनि _____: गज
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष

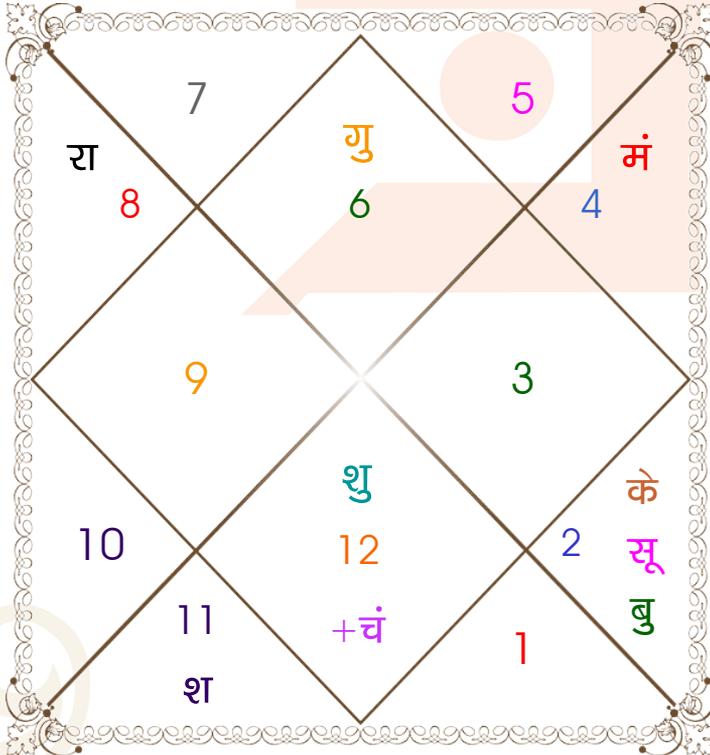
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	06:17:19	318:06:09	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			वृष	03:40:02	00:57:48	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	27:02:50	12:04:56	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल			कर्क	16:25:45	00:31:19	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	नीच राशि
बुध	अ		वृष	06:26:06	02:11:16	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		कन्या	11:16:15	00:02:28	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	20:25:42	00:42:28	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			कुंभ	06:07:58	00:02:13	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	18:27:28	00:02:11	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	18:27:28	00:02:11	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष	व		धनु	28:13:33	00:01:03	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		धनु	27:12:46	00:00:47	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो	व		वृश्चि	00:16:36	00:01:40	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	06:17:28	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

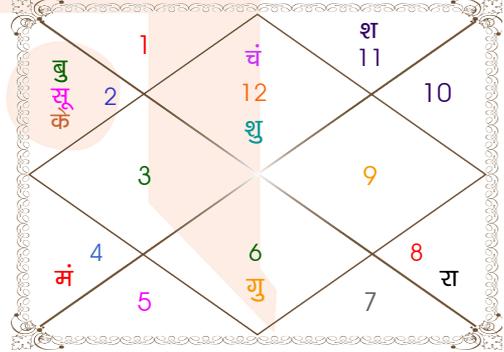
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:08

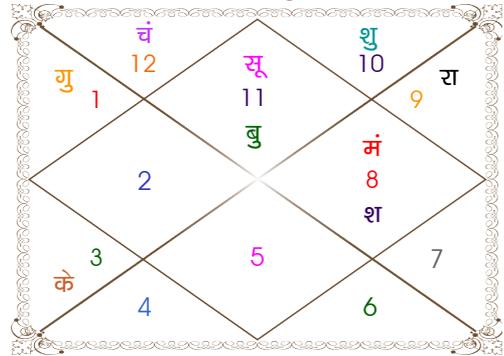
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 9 मास 5 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
18/05/1993	21/02/1997	22/02/2004	22/02/2024	21/02/2030
21/02/1997	22/02/2004	22/02/2024	21/02/2030	22/02/2040
00/00/0000	केतु 20/07/1997	शुक्र 23/06/2007	सूर्य 11/06/2024	चंद्र 23/12/2030
00/00/0000	शुक्र 20/09/1998	सूर्य 23/06/2008	चंद्र 10/12/2024	मंगल 24/07/2031
00/00/0000	सूर्य 25/01/1999	चंद्र 21/02/2010	मंगल 17/04/2025	राहु 22/01/2033
00/00/0000	चंद्र 26/08/1999	मंगल 24/04/2011	राहु 12/03/2026	गुरु 24/05/2034
00/00/0000	मंगल 23/01/2000	राहु 23/04/2014	गुरु 29/12/2026	शनि 23/12/2035
00/00/0000	राहु 09/02/2001	गुरु 22/12/2016	शनि 11/12/2027	बुध 24/05/2037
18/05/1993	गुरु 16/01/2002	शनि 22/02/2020	बुध 16/10/2028	केतु 23/12/2037
गुरु 14/06/1994	शनि 25/02/2003	बुध 23/12/2022	केतु 21/02/2029	शुक्र 23/08/2039
शनि 21/02/1997	बुध 22/02/2004	केतु 22/02/2024	शुक्र 21/02/2030	सूर्य 22/02/2040

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
22/02/2040	22/02/2047	21/02/2065	21/02/2081	22/02/2100
22/02/2047	21/02/2065	21/02/2081	22/02/2100	00/00/0000
मंगल 20/07/2040	राहु 04/11/2049	गुरु 11/04/2067	शनि 25/02/2084	बुध 22/07/2102
राहु 08/08/2041	गुरु 30/03/2052	शनि 23/10/2069	बुध 04/11/2086	केतु 19/07/2103
गुरु 15/07/2042	शनि 03/02/2055	बुध 29/01/2072	केतु 14/12/2087	शुक्र 19/05/2106
शनि 23/08/2043	बुध 23/08/2057	केतु 04/01/2073	शुक्र 13/02/2091	सूर्य 25/03/2107
बुध 20/08/2044	केतु 10/09/2058	शुक्र 05/09/2075	सूर्य 26/01/2092	चंद्र 24/08/2108
केतु 16/01/2045	शुक्र 10/09/2061	सूर्य 23/06/2076	चंद्र 26/08/2093	मंगल 21/08/2109
शुक्र 18/03/2046	सूर्य 05/08/2062	चंद्र 23/10/2077	मंगल 05/10/2094	राहु 09/03/2112
सूर्य 24/07/2046	चंद्र 04/02/2064	मंगल 29/09/2078	राहु 11/08/2097	गुरु 19/05/2113
चंद्र 22/02/2047	मंगल 21/02/2065	राहु 21/02/2081	गुरु 22/02/2100	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 3 वर्ष 8 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृत्ति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृत्ति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्यों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते हैं। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृत्ति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखें आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखें एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिज प्रवृत्ति के प्राणी हैं तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृत्ति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष हैं। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रियात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत्त हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृत्ति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करें। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार हैं। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करें।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग हैं। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।